महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि तकनीकीअनुप्रयोगअनुसंधान संस्थान कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

समाचार – पत्रिका

अंक – 12 | दिसम्बर, 2021

प्रो. उदय प्रताप सिंह

उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति

गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान

गोरखनाथ, गोरखपुर

संदेश

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहुँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र
एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा दिसम्बर, 2021 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	प्रशिक्षण की सं.	लाभार्थी संख्या
क) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण	04	82
ख) नवयुवक नवयुवतियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	01	16

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे०/ सं०	लाभार्थी संख्या
क) सरसो में सल्फर पोषक तत्व प्रबन्धन	02	14
ख) चने में जैव उर्वरक प्रबंधन का प्रदर्शन	2.5	10
ग) गेंदा की उन्नतशील प्रजाति पूसा नारंगी का परीक्षण प्रदर्शन	0.25	10
घ) मधुमक्खी पालन पर प्रदर्शन कार्यक्रम		

3. प्रक्षेत्र परीक्षण

शीर्षक	लाभार्थी संख्या
क) स्कूल जाने वाले बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए पोषक लड्डू का मूल्यांकन	10
ख) मिर्च फसल में ग्रोथ हारमोंस का प्रभाव	05
ग) सब्जी मटर की उन्नतशील प्रजाति काशी मुक्ति का परीक्षण	05
घ) चने की फसल में आई.पी.एम. द्वारा फली बेधक कीट का प्रबंधन पर परीक्षण	05

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
क) वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	07	07
ख) कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	37	37
ग) मोबाइल सलाह	21	सामूहिक
घ) समाचार पत्र प्रकाशन	18	सामूहिक

प्रक्षेत्र परीक्षण कार्यक्रम

❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 10-12-2021 को "आई.पी.एम. द्वारा चने की फसल में फली बेधक कीट के प्रबंधन" पर परीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के पांच किसानों को ट्रैप, नीम आयल इत्यादि का वितरण किया गया।

प्रक्षेत्र भ्रमण

❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-18/12/2021 को ग्राम तुर्कवलिया, ब्लाक भरोहिया, गोरखपुर में केन्द्र से प्रशिक्षित मशरूम उत्पादक किसान श्री विरेंद्र निषाद के मशरूम इकाई पर भ्रमण किया तथा मशरूम की देखरेख, तुड़ाई का सही समय तथा बिक्री सम्बन्धित आवश्यक जानकारी दी।	
❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ एवं डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, उद्यान विशेषज्ञ द्वारा हिन्दुतान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, गोरखपुर के मार्केटिंग मेनेजर श्री उमाकांत त्रिपाठी को हिन्दुतान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र में लगाये गए रबी फसलों (गेहूं, मटर, सरसों, आलू) में वर्मीकम्पोस्ट उपयोग के परीक्षण ट्रायल तथा हाइड्रोपोनिक यूनिट का भ्रमण कराया।	
❖ दिनांक- 07/12/2021 को विकास खंड जंगल कोडिया के गाँव चौकमाफी, पीपीगंज के किसान के प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया गया। इसी के साथ ही साथ उनकी बैगन फसल का आकलन किया गया जो कीड़े द्वारा ग्रासित हो रही थी तथा ग्रोथ भी कम थी। फसल सुधार सम्बन्धी आवशयक जानकारी भी दी गयी।	
❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 13-12-2021 को जंगल कौड़िया विकास खंड के बंटीकुला गाँव में IARI-CATAT के Vivo पार्टनर्स योजनांतर्गत किसान दया राम के प्रक्षेत्र पर चल रहे गाजर एवं टमाटर की फसल का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर युवा ग्राम प्रधान अभिषेक सिंह उपस्थित रहे।	
❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 22-12-2021 को भरोहिया विकास खंड के राखुखोर गाँव में "आई.पी.एम. द्वारा चने की फसल में फली बेधक कीट के प्रबंधन" पर परीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत रामनेवास मौर्या के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर केंद्र के शस्य वैज्ञानिक अवनीश सिंह उपस्थित रहे।	

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक- 01/12/2021 एवं 06/12/2021 को कृषि विभाग, गोरखपुर द्वारा नवनियुक्त कर्मचारियों/नवनियुक्त प्राविधिक सहायको के छमता विकास एवं आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। जिसमे 40 नवनियुक्त कर्मचारियों उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त कर्मचारियों को उसर सुधार विषय के बारे में व्याख्यान दिया गया।

❖ दिनांक- 05/12/2021 को "विश्व मृदा दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम नयागांव प्रधान अशफाक अहमद सहित 32 लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा किसानो को मृदा स्वास्थ्य कार्ड स्कीम की महत्ता, उर्वरकों एवं खाद के प्रयोग का सही समय तथा समेकित रूप से खाद व उर्वरको के उपयोग के तरीको के बारे में बताया।

❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा जंगल कौड़िया विकास खंड के बंटीकुला गाँव में दिनांक- 13/12/2021 को "मानव एवं मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता" विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप उपाध्याय के साथ साथ ग्राम प्रधान अभिषेक सिंह भी उपस्थित रहे।

❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा केंद्र पर दिनांक- 14/12/2021से 16/12/2021 तक बेरोजगार ग्रामीण युवक एवं युवतियों के रोजगार सृजन हेतु " व्यवसायिक मौनपालन" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।

❖ श्रीमती श्वेता सिंह, गृह विज्ञान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 21/12/21 को "ग्रामीण शिल्प " विषय पर 20 महिला किसानो को देसी गाय के गोबर से दिया व सजावट कि सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

❖ केन्द्र पर कृषि विभाग, गोरखपुर द्वारा सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के अंतर्गत दिनांक 29 से 31 दिसम्बर, 2021 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 160 युरुष एवं महिला किसानो ने प्रतिभाग किया।

किसान मेला एवं गोष्ठी

❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ ने उपनिदेशक कृषि, गोरखपुर द्वारा एनेक्सी भवन, सर्किट हाउस में दिनांक- 23/12/2021 को आयोजित "किसान सम्मान दिवस" कार्यक्रम एवं किसान मेला में प्रतिभाग कर किसानो को जैविक खेती के बारे में व्यख्यान दिया एवं प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में 400 से अधिक किसान उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी श्री विजय किरण आनन्द, मुख्य अतिथि विधायक श्री संत प्रसाद द्वारा 100 किसानो पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया।

❖ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, उद्यान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक- 27/12/2021 को किसानो को "बे-मौसम लौकी, खीरा एवं करेला की पौध उत्पादन द्वारा आय सवर्धन" विषय पर जानकारी महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञानं केंद्र, चौकमाफी के विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी गयी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ ने मृदा जाच पर भी आवशयक जानकारी दी।

❖ केन्द्र पर दिनांक- 23/12/2021 को आयोजित "किसान सम्मान दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। । कार्यक्रम में 400 से अधिक किसान उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. यू. पी. सिंह जी उपाध्यक्ष (प्रबन्ध समिति) महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र एवं मुख्य अतिथि श्री राधेश्याम सिंह, उपाध्यक्ष, उ.प्र. बीज प्रमाणीकरण संस्थान, लखनऊ द्वारा किसानो पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया।

❖ उद्यान विभाग, गोरखपुर द्वारा दिनांक 28-12-2021 को विंध्यवासिनी पार्क में राष्ट्रिय मौनपालन एवं शहद मिशन के अंतर्गत " व्यवसायिक मौनपालन" पर आयोजित वृहद् किसान गोष्ठी एवं मेला कार्यक्रम में डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा व्याखान दिया गया। इस अवसर पर सहजनवा विधान सभा के विधायक शीतल पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी सहित कुल 150 से भी ज्यादा किसानों ने प्रतिभाग किया।

❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ ने उद्यान विभाग, गोरखपुर द्वारा राष्ट्रिय मौनपालन एवं शहद मिशन के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र पर " व्यवसायिक मौनपालन" विषय पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक 30-12-2021 तथा 31-12-2021को व्याखान दिया I इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ट वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. संदीप कुमार सिंह तथा उद्यान निरीक्षक अजीत सिंह सहित लगभग दो दर्जन किसानों ने प्रतिभाग किया।

जनवरी माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

❖ गेहू की सिंचित अवस्था वाली किस्मों के लिए 120 किलो नत्रजन, 60 किलो सुपर फास्फेट तथा 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें। नत्रजन की आधी तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बोआई के समय प्रयोग करें। नत्रजन की शेष आधी मात्रा, दो बार में, पहली एवं दूसरी सिंचाई के बाद डालें।

❖ गेहूं की असिंचित अवस्था में गेहूँ की खेती के लिए 80 किलो नत्रजन, 40 किलो सुपर फास्फेट तथा 20 किलो पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें। बुआई के समय, 40 किलो नत्रजन तथा स्फुरद एवं पोटाश की पूरी मात्रा डालें नत्रजन की शेष मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई पर दें।

❖ चने में खरपतवारो द्वारा फसल में होने वाले नुकसान से बचने के लिए बुवाई से 25-30 दिनों बाद पहली निकाई-गुड़ाई तथा 60-70 दिन बाद दूसरी निकाई-गुड़ाई करनी चाहिए।

मृदा विज्ञान

❖ गेहूं की फसल में नाइट्रोजन उर्वरक की शेष मात्रा का बुरकाव कर देना चाहिए ।

❖ नीबू के कमजोर पोधो में 50 ग्राम यूरिया सिचाई के तुरन्त बाद प्रथम सप्ताह में देंगे।

❖ गोभी वर्गीय, आलू, पत्तेदार तथा जड़युक्त सभी फसलों में सिचाई दे कर यूरिया का प्रयोग करके गुड़ाई करें तथा मिटटी चड़ायें।

❖ भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा लें तथा भूमि में उर्वरको का प्रयोग मृदा परिक्षण के आधार पर करें।

मौनपालन

❖ सरसों में फूल खिलने के दशा में प्रक्षेत्र का चयन कर, मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें।

❖ मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।

❖ माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।

❖ अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।

❖ गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए।

- ❖ मौनगृह से बी पोलेन इकठ्ठा करने का उपयुक्त समय है, बी पोलेन ट्रैप का प्रयोग एक दिन के अंतराल पर करें।
- ❖ मौनवंश का लगातार निरीक्षण कर समय से विभाजन सुनिश्चित करें।
- ❖ मौनगृह को जुट के बोरे अथवा मोटे कपडे से ढकें।
- ❖ अजवाईन की 5 से 10 ग्राम मात्रा को सूती कपडे में बांधकर प्रति मौनगृह में प्रयोग करें।

पशुपालन

- ❖ पशुओं को ठंड से बचाने का उचित प्रबन्ध एवं पीने के लिए स्वच्छ जल का व्यवस्था करें ।
- ❖ दुधारू पशुओं में थैनेला रोग से बचाव के उपाय करें एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- ❖ जिन पशुओ को मुँहपका तथा खुरपका का टीका नही लगा है उन्हें टीका अवश्य लगवायें।
- ❖ पशुओं को अन्त:परजीवी नाशक दवाई पशु – चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित दें।
- ❖ पशुओं को संतुलित आहार दें।
- ❖ पशुओ के आहार में खनिज मिश्रण एवं नमक का प्रयोग करें।

सब्जियों की खेती

- ❖ पौधे को पाले से बचाव के लिए छप्पर या धुएँ का प्रबंध करे।
- ❖ आलू, टमाटर तथा मिर्च में पिछेती झुलसा से बचाओ हेतु मैंकोजेब 75% व W P की 2 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।
- ❖ मटर में आवयकतानुसार दूसरी सिचाई फलिया बनते समय करनी चहिये।
- ❖ गोभी वर्गीय सब्जिओ की फसल में सिचाई, गुड़ाई तथा मिट्टी चढाने का कार्य करें।
- ❖ टमाटर की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए रोपाई कर दें।
- ❖ जायद में मिर्च तथा भिन्डी की फसल के लिए खेत की तैयारी अभी से आरम्भ कर दें।

फलों की खेती

- ❖ बागों की निराई – गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।
- ❖ आम के नवरोपित एवं अमरुद, पपीता एवं लीची के बागों की सिचाई करें।
- ❖ आम के भुनगा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफास 36% S L 1.5 मिली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

पुष्प व सगंध पौध

- ❖ गुलाब में समय – समय पर सिचाई एवं निराई गुड़ाई करें तथा आवश्यकतानुसार बंडिग व् इसके जमीन में लगाने का कार्य कर लें।

सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री आशीष कुमार सिंह	प्रक्षेत्र प्रबंधक	अनुवाशिकी एवं पादप प्रजनन	**07752941868**
श्री जितेन्द्र कुमार सिहं	कार्यक्रम सहायक (प्रयोगशाला तकनीकी)	पौध संरक्षण	**08887725608**
श्री शुभम पाण्डेय	सहायक	-	**08317019891**

सह-सम्पादक मंडल			
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 राहुल कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	कृषि प्रसार	**07007275688**
डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**

संकलन एवं सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री गौरव कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)	कम्प्यूटर	**07651922058**

सम्पादक
डा0 संदीप कुमार सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)
महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर(उ०प्र०)
Mob no. 09453721026, Email – gorakhpurkvk2@gmail.com
Website – http://www.mgkvk.in/